

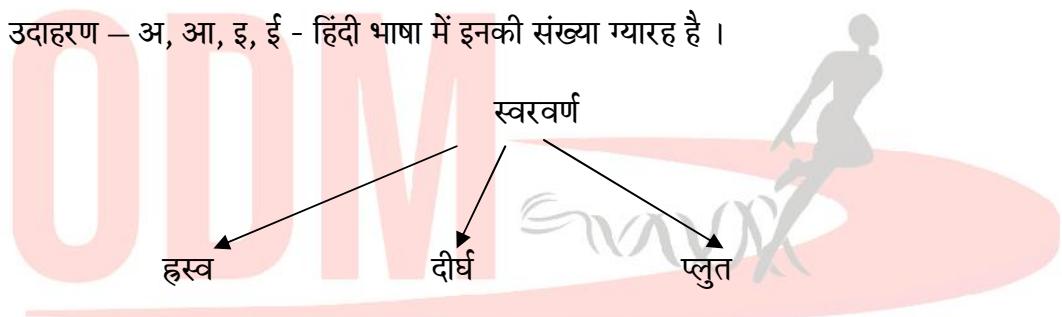
## Chapter- 2

# वर्ण विचार

### STUDY NOTES

- वर्णों को व्यवस्थित समूह को वर्णमाला कहते हैं ।
- हिंदी वर्णमाला में कुल मिलाकर ४४ वर्ण हैं ।
- वर्णमाला को दो भागों में विभाजित किया गया है । क) स्वर, ख) व्यंजन
- जिन वर्णों के उच्चारण के समय हवा बिना किसी रूकावर के बाहर निकलती है उन्हें स्वरवर्ण कहते हैं ।

उदाहरण – अ, आ, इ, ई – हिंदी भाषा में इनकी संख्या ग्यारह है ।



- मात्राएँ – स्वरों के लिए निर्धारित चिह्न मात्राएँ कहलाते हैं ।
- व्यंजन – जिन वर्णों के उच्चारण में स्वरवर्णों की सहायता ली जाती है । उन्हें व्यंजन वर्ण कहते हैं ।

इनकी संख्या तैतीस है । *ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow*

- दो भिन्न व्यंजनों के मेल से बने व्यंजन संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं ।
- दो समान व्यंजनों से मिलकर बने व्यंजन को द्वित व्यंजन कहते हैं ।
- दो अलग – अलग व्यंजनों के मिलने से बने अक्षर संयुक्ताक्षर कहलाते हैं ।
- वर्ण विच्छेद- शब्दों के प्रत्येक वर्ण को अलग करना वर्ण विच्छेद कहलाता है ।

जैसे- गीत- ग् + ई + त् + अ

## आइए, अब लिखे

१. शब्दों में उच्चारण के अनुसार अनुस्वार या अनुनासिक चिह्न लगाइए –

- क) अदर – अंदर
- ख) अगुठा – अंगूठा
- ग) बासुरी – बाँसुरी
- घ) धुआ – धुआँ
- ड) सञ्जया – सञ्जयाँ
- च) साप – साँप
- छ) पखा – पंखा
- ज) रग – रंग
- झ) पजा – पंजा

२. चित्र देखकर ‘ओ’ के उच्चारण वाले अंग्रेजी शब्द लिखिए –



चॉकलेट



फुटबॉल



हॉकी



डॉक्टर

३. निम्नलिखित कथनों के सामने (✓) अथवा गलत (✗) का चिह्न लगाइए –

- क) दीर्घ स्वरों की संख्या पाँच होती है । (✗)
- ख) व्यंजनों का उच्चारण स्वतंत्र रूप से होता है । (✗)
- ग) अं, अः तथा ओं पंचम वर्ण कहलाते हैं । (✗)

- घ) अनुनासिक का चिह्न ‘ঁ’ होता है। (✓)
- ड) मात्राओं का प्रयोग व्यंजनों के साथ होता है। (✓)

४. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण - विच्छेद कीजिए –

- क) राष्ट्र - र + आ + ष् + ट् + र + अ
- ख) अक्षय – अ + क् + ष् + अ + य + अ
- ग) श्रुतलेख – श् + र् + उ + त् + अ + ल् ए ख् उ
- घ) पर्वत – प् + अ + व् + र् + अ + त् + अ
- ड) कृषक – क + ऋ + ष् + अ + क् + अ

५. संयुक्त और द्वित्व व्यंजन वाले शब्द छाँटकर अलग-अलग स्थान पर लिखिए –

सज्जन      कक्ष      श्रेय      अन्न      लट्ठू      सत्रह      संज्ञा      छप्पर

संयुक्त व्यंजन –      कक्ष      श्रेय      सत्रह      संज्ञा

द्वित्व व्यंजन -      सज्जन      अन्न      लट्ठू      छप्पर